की गई सहायता अनुदानों की कोई समीक्षा की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) वर्ष 1995 तक 15–35 आयु वर्ग के 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करने के उद्देश्य से मई, 1988 में सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एन०एल०एम०) का मुख्य उद्देश्य यह है कि यह एक सामाजिक मिशन है, जिसकी सफलता समाज को जुटाने, संभाव्य लाभ-ग्राहियों, साक्षरता कार्यकर्ताओं एवं संपूर्ण समुदाय की सक्रिय सहभागिता पर निर्भर करता है ।

(ख) और (ग) मई, 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्रारंभ किए जाने के पश्चात्, केवल आजमगढ़ जिले में ही, प्रौढ़ शिक्षा का कार्यक्रम का मूल्यांकन वर्ष 1989–90 में पंडित गोविंद वल्लभ पंत ग्रामीण विकास अध्ययन संस्थान लखनऊ, द्वारा किया गया था । कुछ मुख्य निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं :

1. 90 प्र०श० शिक्षु प्रत्याथियों को अध्ययन-अध्यापन सरल लगा ।

2. 78 प्र०श० शिक्षु प्रत्याथियों ने काफ़ी कुछ लिखना सीख लिया था । 21 प्र०श० शिक्षु केवल वर्णमाला लिख पाने योग्य हो गए थे । 55 प्र०श० शिक्षु सरल अंक गणितीय अभ्यास करने में सक्षम थे । 44 प्र० श० शिशु केवल संख्याएं लिखने योग्य हो गए थे ।

3. केन्द्रों में नामांकित किए गए 30 शिशुओं में से छह शिशु एक माह में 15 दिन, केन्द्रों में उपस्थित हो पाने योग्य थे । 30 में से 7 शिशु ही प्रतिदिन केन्द्रों में भाग लेते थे । शेष 17 शिक्षु 7–15 दिनों के लिए कक्षाओं में भाग ले पाये । अनुपस्थिति का कारण घरलू कार्य में व्यस्तता थी ।

4. सामाजिक एवं सांस्कृतिक वर्जना, शुल्क अदा करने के भय आदि कारणों से लोग कार्यक्रमों में भाग नहीं लेते थे ।

इस उद्देश्य के लिए संस्थान को 57,000/- रु० का अनुदान जारी किया गया था ।

Transfer of Teachers in Kendriya Vidyalaya Sangathan

1538. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY.

SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state;

(a) whether it is a fact that, as a result of transfers ordered by the Chairman, Kendriya Vidyalaya Sangathan during the preceding four months a large number of teachers have been superseded;

(b) whether Government have received requests from Members of Parliament for dispensing justice to superseded teachers;

(c) if so, the details thereof: and

(d) what action Government have taken thereon?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH); (a) to *(d)* It is true that in some cases, transfers have been directed by the Chairman, Kendriya Vidyalaya Sangathan on administrative grounds but these do not affect promotions or involve supersession sny teachers,

The Government have received letters from Members of Parliament citing cases not of supersession in promotion but regarding the claims of some teachers for request transfers. These cases are being examined.

Tuition Fees for Technical Education

1530. MISS SAROJ KHAPARDE Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleasec to state-

C;i"> whether it is a fact that a Tasi Force constituted under "the All India Council for Technical Education hac suggestad that the Tuition fee to b< collected from the students of techni cal education should be on the basi: of percentage of the annual recurrini expenditure

(b) if so. whether Government have accepted the same; and

(c) the details of the tuition fee being charged from students of technical education institutions in the Union Territories, Union-Territory-wise?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) The recommendation of the Task Force constituted by the All India Council for Technical Education (AICTE) to charge the Tuition Fees in technical institutions based on the percentage of the annual recurring[1] expenditure is yet to be finally approved by the AICTE.

(b) Do:-s not arise in vew of (a) above.

(c) Tilt information is being collected.

Affairs of Kendriya Vidyalaya Sangathan

.1540. SHRI SARADA MOHANTY;
SHRIMATI BIJOYA CHAKKRAVARTY:
DR. Z. A. AHMAD;

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state-.

(aj whether Government have recently asked for a report on the affairs of Kendriya Vidyalaya Sangathan: and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) No, Sir. However, a Review Committee set up in 1987 had examined in detail the functioning of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. The Government's views together with the recommendations of the Committee were forwarded to Kendriya Vidyalaya Sangathan for their implementation in consultation with various Committees. It is therefore too early to again examine the overall functioning of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. However, the affair» of the Sanagthan are kept under continuous review.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

1541. श्री शंकर दयाल सिंह। क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने पिछले तीन वर्षों के दौरान किन-किन भाषाओं में कितनी-कितनी पुस्तकें प्रकाशित की ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने अपने प्रकाशनों के मुद्रण पर कितनी धनराशि व्यय की और उसी अवधि के दौरान इसकी कितनी बिक्री हुई ; और

(ग) उसकी अगले वर्ष प्रकाशनों संबंधी क्या योजनाएं हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान रा०शै०अ०प्र०प० द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या तथा उनकी भाषाएं विवरण I में संलग्न हैं । रा०शै०अ०प्र०प० के सभी प्रकाशनों की प्रतियां संसद पुस्तकालय को नियमित रूप से भेजी जाती हैं ।

(ख) रा०शै०अ०प्र०प० द्वारा कागज पर किए गए व्यय सहित छपाई पर किया गया व्यय तथा उक्त अवधि के दौरान विक्रय प्राप्ति विवरण-II में संलग्न है ।

(ग) रा०शै०अ०प्र०प० ने सूचित किया है कि वह पाठ्यपुस्तकों के पुन: मुद्रित संस्करणों/नये संस्करणों तथा अन्य सामान्य प्रकाशनों सहित प्रति-वर्ष लगभग 250 से 300 शीर्षक निकालता है । इसके वर्ष 1991-92 में भी जारी रहने की आशा है ।